इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

हिंदी विभाग

हिंदी अध्ययन मण्डल

पी–एच.डी.(हिंदी), *चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम हिंदी पाठ्यक्रम*
वर्ष 2020–2021 से प्रभावी

प्रो. रेनू सिंह *अध्यक्ष* *हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,* *अमरकंटक(म.प्र.)*	*प्रो. चन्दा बैन* *अध्यक्ष* *हिंदी विभाग* *डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)*
प्रो. आलोक श्रोत्रिय *अध्यक्ष* *प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,* *अमरकंटक(म.प्र.)*	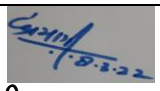 *प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी* *अध्यक्ष हिन्दी* *विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय* *गोरखपुर (उ.प्र.)*
प्रो. प्रसन्न कुमार सामल *अधिष्ठाता* *जनजातीय अध्ययन संकाय* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,* *अमरकंटक(म.प्र.)*	*डॉ. प्रवीण कुमार* *सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,* *अमरकंटक(म.प्र.)*
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप *सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,* *अमरकंटक(म.प्र.)*	

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

हिंदी विभाग

पी–एच.डी.(हिंदी), *चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम हिंदी पाठ्यक्रम*
प्रश्नपत्रः क्रम एवं पद्धति

पत्रांक सं. IGNTU/RO/2021/43 दिनांक 27 अप्रैल 2021 के अनुसार पी–एच.डी. हिंदी का संशोधित चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली पी–एच.डी. हिंदी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। जिसका पालन एवं पहल अकादमिक सत्र 2020–21 से सुनिश्चित किया गया है। हिंदी अध्ययन मंडल सह पाठ्यक्रम निर्माण समिति के अनुसार निम्नलिखित पाठ्यक्रम पी–एच.डी. कोर्स वर्क के लिए निर्धारित किया गया है।

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र क्रम	Course Code	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	पूर्णांक
1	1.	PHD_HLRC01	अनुसंधान प्रविधि	4	100
	2.	PHD_HLCA02#	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	4	100
	3.	PHD_HLRPE03	रीसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स/शोध एवं प्रकाशन नैतिकता	2	50
	4.	PHD_HLDSE01	साहित्य का इतिहास दर्शन	4	100
	5.	PHD_HLDSE02	साहित्य का समाजशास्त्र	2	50
			कुल क्रेडिट पी–एच.डी. कोर्स वर्क	16	400
	कुल क्रेडिट पी–एच.डी. कोर्स वर्क			16	400

इस प्रश्नपत्र का अध्ययन–अध्यापन कम्प्यूट्रॉनिक विभाग द्वारा किया जाएगा।

पाठ्यक्रम संख्या : PHD_HLRC01 पाठ्यक्रम : अनुसंधान प्रविधि

क्रेडिट : 4 पूर्णांकः 100

इकाई–1 अनुसंधान : अवधारणा और स्वरूप

तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण, तथ्यों की नई व्याख्या, व्याख्या का नया परिप्रेक्ष्य
नया दृष्टिकोण – शोध और सर्जनात्मकता, अनुसंधान और आलोचना, अनुसंधान की भाषा–शैली

इकाई–2 अनुसंधान–पद्धतियां

अुनसंधान की विविध पद्धतियां – आगमन–निगमन, विश्लेषण–संश्लेषण
अनुसंधान के उपागम –ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणात्मक, तुलनात्मक अनुसंधान पद्धति, प्रयोगात्मक, विवरणात्मक, ऐतिहासिक, गुणात्मक एवं मात्रात्मक

इकाई–3 अनुसंधान का व्यवहारिक पक्ष :

अनुसंधान के सोपान, अनुसंधान समस्या की पहचान, अनुसंधान अध्ययन के विषय का चयन– अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव की रूपरेखा, इन्डेक्स कार्ड प्रणाली, सामग्री संकलन– आधारभूत सामग्री, सहायक सामग्री, सामग्री संकलन स्रोत–व्यक्तिगत, संस्थागत और इंटरनेट, संदर्भ ग्रंथ सूची, अनुक्रमणिका, उद्धरण की विधियां

इकाई–4 शोध पत्र लेखन एवं प्रतिवेदन सृजन

शोध पत्र लेखन की अवधारणा, शोध प्रबंध लेखन की मूल अवधारणा, प्रतिवेदन सृजन, शोध सार लेखन, लेखन की मौलिक अवधारणा एवं शोध साहित्य पुनरावलोकन, परिणाम/निष्कर्ष, प्रतिवेदन लेखन का महत्व, प्रतिवेदन लेखन के चरण, शोध–प्रतिवेदन के प्रकार

इकाई–5 अंतरविद्यावर्ती अनुसंधान : चुनौतियां एवं सभावनाएं

समकालीन साहित्य में अनुसंधान की समस्याएं, चुनौतियां एवं संभावनाए, भूमंडलीकरण का अनुसंधान पर प्रभाव, अंतर्विषयक साहित्यिक अनुसंधान प्रकृति–चुनौतियां एवं संभावनाएं

अनुमोदित ग्रंथः

- डॉ सावित्री सिन्हा/
  डॉ. विजयेन्द्र स्नातक : अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- विनय मोहन शर्मा : शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1980
- डॉ देवराज उपाध्याय : साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1969
- सं.अमियदेव–
  शिशिर कुमार दास : कम्पैरेटिव लिटरेचर : थ्यौरी एण्ड प्रैक्टिस इंडियन इंस्ट्टियूटट आफ एडवांस स्टेडीज, शिमला, 1989
- इन्द्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका,
- वी. के. गोकाक : दी कंसेप्ट ऑफ इंडियन लिटरेचर, नई दिल्ली, 1978
- सं0 ए0 पोद्दार : इंडियन लिटरेचर, शिमला, 1972
- रेने वेलेक : डिस्क्रिमिनेशनस, विकास पब्लिकेशन, दिल्ली, 1976
- रेने वेलेक : कंसेप्ट आफ क्रिटिसिज्म येल यूनिवर्सिटी, 1969
- आर. के. धवन (सं.): कम्पैरिटिव लिटरेचर थ्यौरी, बाहरी पब्लिकेशन, दिल्ली–1987
- नगेन्द्र, (सं.) : तुलनात्मक साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली–1985
- सं. न्यूटन पी. स्टालनेख़्त : कम्पैरेटिव लिटरेचर : मेथड एण्ड हॉर्स्ट फ्रेन्ज पर्सपेक्टिव
- उलरिख वेइस्तेइन : कम्पैरेटिव लिटरेचर एण्ड लिटरेरी थ्योरी
- रेनेवेलक : आलोचना की अवधारणाएँ, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1990
- बी. एम. जैन रिसर्च मेथेडॉलॉजी, हिन्दी, 1975
- डॉ नगेन्द्र, (सं.) : कम्पैरेटिव लिटरेचर, पब्लिकेशन डिवीजन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1977
- एस. एन. गणेशन : अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोक भारती, इलाहाबाद,1986
- सं. भ. ह. राजूरकर / राजमल बोराः हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1978
- डॉ नगेन्द्र : शोध और सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1978
- डा. तिलक सिंह : नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 1982

पत्रिकाएंः

1. प्रतिमान
2. दलित अस्मिता
3. आदिवासी विमर्श
4. आलोचना
5. तद्भव
6. गवेषणा
7. आदिवासी आखाड़ा
8. समकालीन भारतीय साहित्य
9. मैकल मीमांसा

पाठ्यक्रम संख्याः PHD_HLDSE01 पाठ्यक्रम : साहित्य का इतिहास दर्शन
क्रेडिट : 4 पूर्णांक : 100

इकाई–1 साहित्य का इतिहाश दर्शन

इतिहास दर्शन की अवधारणा
इतिहास दर्शन और साहित्य इतिहास
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं और विभिन्न इतिहास–दृष्टियां
साहित्य, इतिहास और दर्शन का अतंस्सम्बन्ध –सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक संदर्भ
इतिहास और आलोचना, इतिहास की राष्ट्रवादी दृष्टि
भूमंडलीकरणयुगीन इतिहास दर्शन

इकाई–2 साहित्य और विचारधारा : अंतर्संबंध

(क) मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, अतियथार्थवाद, मानववाद

(ख) साहित्य समीक्षा की नव्यतम दृष्टियां– परंपरा, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, स्वच्छंदतावाद, विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अंतर्विरोध(पैराडॉक्स), विखण्डन(डिकंसट्रक्शन) का परिचयात्मक अध्ययन

(ग) प्रतीक, बिंब, फैंटसी

(घ) नई समीक्षा, तुलनात्मक समीक्षा, शैली विज्ञानिक समीक्षा

इकाई–3 दलित साहित्य का इतिहास दर्शन

दलित साहित्य का इतिहास दर्शन
दलित लेखन का इतिहास

इकाई–4 स्त्री साहित्य का इतिहास दर्शन

स्त्री लेखन का इतिहास
स्त्रीवादी इतिहास दर्शन

इकाई–5 आदिवासी साहित्य का इतिहास दर्शन

आदिवासी लेखन का इतिहास
आदिवासी इतिहास दर्शन

अनुमोदित ग्रंथः

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
- हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका
  – हिंदी साहित्यः उद्भव और विकास
  – हिंदी साहित्य का आदिकाल
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिंदी साहित्य का अतीत
- सं. नगेन्द्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
- ई.एच.कार –इतिहास क्या है
- रामकुमार वर्मा – हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
- गणपतिचंद्र गुप्त – हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
- नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन
- जगदीश्वर चतुर्वेदी – साहित्य का इतिहास दर्शन
- सुमन राजे – हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
- अवधेश प्रधान – हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं
- रामविलास शर्मा– भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परंपरा
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत
- प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
- के. दोमोरान – भारतीय चिंतन परम्परा
- रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
- रामविलास शर्मा– महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
- मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि
- नामवर सिंह – कविता के नये प्रतिमान
- देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग
- ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
- राजेन्द्र यादव/ अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य,
- महादेवी वर्मा– शृंखला की कड़ियाँ
- श्यौराज सिंह बेचैन/ देवेन्द्र चौबे, सं.– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य
- विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास
- जयप्रकाश कर्दम– इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन)
- मोहनदास नैमिशराय – हिंदी दलित साहित्य
- कंवल भारती– दलित विमर्श की भूमिका
  – दलित साहित्य की अवधारणा
- वंदना टेट– वाचिकता
  – आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौन्दर्यबोध
  – आदिवासी साहित्यः परंरपरा और प्रयोजन
- वेरिया एल्विन– मध्यकालीन भारत में आदिवासी कला

- डॉ. अम्बेडकर – डॉ. अम्बेडकर संपूर्ण वांग्मय, भारत सरकार, कल्याण मंत्रालय, दिल्ली
- महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)–अनु एवं सं. – डॉ. एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति
- पूरन जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
- राजेन्द्र यादव– अठारह उपन्यास, दिल्ली, 1981
- अभय कुमार दुबे (सं.)– आधुनिकता के आईने में दलित
  – भारत का भूमंडलीकरण
- धीरूभाई सेठ– सत्ता और समाज
- शिवबाबू मिश्र– जूठन एक विमर्श
- माता प्रसाद (सं.)– लोकगीतों में वेदना और विद्रोह के स्वर
- हरपाल सिंह 'अरूष'– दलित साहित्य की भूमिका
- डॉ. विवके कुमार – दलित समाज : पुरानी समस्याएँ नई आकांक्षाएं (एक समाजशास्त्रीय अवलोकन)
- प्रो. टी वी कट्टीमनी– दलित साहित्य का सामाजिक विज्ञान
- राम चंद्र– दलित साहित्यः आशय, अवधारणा और आंदोलन
- प्रवीण कुमार– दलित साहित्य का सौन्दर्यबोधः चिंतन एवं प्रक्रिया
- जयप्रकाश कर्दम– दलित विमर्शः साहित्य के आईने में
- श्रवण कुमार मीणा– दलित साहित्य और समसामयिक संदर्भ
- हरिनारायण ठाकुर– दलित साहित्य का समाजशास्त्र
- गेल ओम्बेट– दलित दृष्टि
- सदानंद शाही (सं.)–दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
- सुकुमार सेन–बंगला साहित्य का इतिहास,
- सरोज मोहन मित्र– मानिक बंदोपाध्याय,
- एम0 ए0 करीम– प्रेमचंद और तकषि के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

गौरी शंकर पंड्या– भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन

पत्रिकाएँ :

'अपेक्षा', सम्पादक – डॉ. तेज सिंह

'अम्बेडकर इन इंडिया', सम्पादक–दयानाथ निगम

''दलित साहित्य वार्षिकी'' सम्पादक – जयप्रकाश कर्दम

विशेषांक : 'हंस' – सत्ता विमर्श और दलित, अगस्त 2004,
'वसुधा' – दलित विशेषांक, अंक–58
आलोचना नवांक 20 1972
आलोचना नवांक 25 1973
नई धारा– 1984–85

Das Sisir Kumar : A History of Indian Literature, Vol.VIII (1800-1910), New Delhi, 1990
George, K.M. (Ed.): Comparative Indian Literature, Madras 1984
Mukherjee, Meenakshi : Realism and reality Novel and Society in India,Delhi, 1985
Howe, I : Politics and the Novel, New York, 1957
Kermode, Frank : The sense of ending: studies in the theory of fiction, New York, 1966
Bakhtin, M : Problems of Dostyovesky's poetics (tr.), Minnea polis, 1985

T. W. Clark (Ed.) : The Novel In India, London, 1970
S. C. Mallik (Ed) : Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978
Savitri Chandra : Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983

पाठ्यक्रम संख्याः PHD_HLDSE02 पाठ्यक्रम : साहित्य का समाजशास्त्र
क्रेडिट : 2 पूर्णांक : 50

इकाई–1 साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन की अवधारणा

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की पाश्चात्य परम्पराएं
समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की भारतीय परम्पराएं

इकाई–2 साहित्य की समाजशास्त्रीय दृष्टियां एवं पद्धतियां

साहित्य के समाजशास्त्र का इतिहास, साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति साहित्य और पाठक –समुदाय, साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन की पद्धति एवं दृष्टियां : विधेयवाद, अनुभववाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, गांधीवाद, अम्बेडकरवाद,नारीवाद, राष्ट्रवादी

इकाई–3 हिंदी साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन

साहित्यिक विधाओं की उत्पत्ति और विकास का सामाजिक संदर्भ, भारतीय साहित्य की भारतीयता, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक विधाओं का समाजशास्त्रीय विश्लेषण।

इकाई–4 समकालीन साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन

दलित साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन, स्त्री साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन, आदिवासी साहित्य का समाजशास्त्र, आदिवासी सौन्दर्यबोध का समाजशास्त्री विश्लेषण, साहित्य में भूमंडलीकरण के प्रभाव का अध्ययन

इकाई–5 हिन्दी भाषा का समाजशास्त्रीय अध्ययन

हिंदी भाषा का समाजशास्त्रीय अध्ययनः समाज और संस्कृति के संदर्भ में, साहित्य तथा जन–संचार के साधन–संप्रेषण कौशल

अनुमोदित ग्रंथः

- वी डी गुप्ता– साहित्य का समाजशास्त्रः अवधारणाएं, सिद्धांत और पद्धति – ग्रामीण समाजशास्त्र उपन्यास के संदर्भ में
- मैनेजर पाण्डेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
- निर्मला जैन (सं.)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
- श्रीराम मेहरोत्रा– साहित्य का समाजशास्त्रः मान्यताएं एवं स्थापना
- नगेन्द्र– साहित्य का समाजशास्त्र
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
- हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिंदी साहित्य का अतीत
- सुमन राजे – हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
- अवधेश प्रधान – हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं

- रामविलास शर्मा– भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परंपरा
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत
- प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
- के. दोमोरान – भारतीय चिंतन परम्परा
- रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
- रामविलास शर्मा– महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
- मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि
- नामवर सिंह – कविता के नये प्रतिमान
- देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग
- ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
- राजेन्द्र यादव/ अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य,
- महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ
- श्यौराज सिंह बेचैन/ देवेन्द्र चौबे, सं.– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य
- विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास
- जयप्रकाश कर्दम– इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन)
- कंवल भारती– दलित विमर्श की भूमिका
  – दलित साहित्य की अवधारणा
- वंदना टेट– वाचिकता
  – आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौन्दर्यबोध
  – आदिवासी साहित्यः परंरपरा और प्रयोजन
- वेरिया एल्विन– मध्यकालीन भारत में आदिवासी कला
- डॉ. अम्बेडकर – डॉ. अम्बेडकर संपूर्ण वांग्मय, भारत सरकार, कल्याण मंत्रालय, दिल्ली।
- महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)–अनु एवं सं. – डॉ. एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति
- पूरन जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
- राजेन्द्र यादव– अठारह उपन्यास, दिल्ली, 1981
- देवेन्द्र चौबे– समकालीन कहानी का समाजशास्त्र
- अभय कुमार दुबे (सं.)– आधुनिकता के आईने में दलित
  – भारत का भूमंडलीकरण
- धीरूभाई सेठ– सत्ता और समाज
- शिवबाबू मिश्र– जूठन एक विमर्श
- माता प्रसाद (सं.)– लोकगीतों में वेदना और विद्रोह के स्वर
- हरपाल सिंह 'अरूष'– दलित साहित्य की भूमिका
- डॉ. विवके कुमार – दलित समाज : पुरानी समस्याएँ नई आकांक्षाएं (एक समाजशास्त्रीय अवलोकन)
- प्रो. टी वी कट्टीमनी– दलित साहित्य का सामाजिक विज्ञान
- राम चंद्र– दलित साहित्यः आशय, अवधारणा और आंदोलन
- प्रवीण कुमार– दलित साहित्य का सौन्दर्यबोधः चिंतन एवं प्रक्रिया
- जयप्रकाश कर्दम– दलित विमर्शः साहित्य के आईने में
- श्रवण कुमार मीणा– दलित साहित्य और समसामयिक संदर्भ

- हरिनारायण ठाकुर– दलित साहित्य का समाजशास्त्र
- गेल ओम्बेट– दलित दृष्टि
- सदानंद शाही (सं.)–दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
- कमलकिशोर गोयनका– प्रेमचन्द रचना–संचयन
- सत्यकाम– भारतीय उपन्यास की दिशाएं,
- जॉर्ज लुकाच–द हिस्टॉरिक्ट नॉवेल,
- ई. एम. फोर्स्टर–आस्पेक्ट्स ऑफ नॉवेल
- मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियालिटी : नॉवेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया
- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह- भाषा का समाजशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**
- **रविन्द्र श्रीवस्तव- भाषाई अस्मिता और हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली**

पत्रिकाएँ :
'अपेक्षा', सम्पादक – डॉ. तेज सिंह
'अम्बेडकर इन इंडिया', सम्पादक–दयानाथ निगम
''दलित साहित्य वार्षिकी'' सम्पादक – जयप्रकाश कर्दम
विशेषांक : 'हंस' – सत्ता विमर्श और दलित, अगस्त 2004,
'वसुधा' – दलित विशेषांक, अंक–58
आलोचना नवांक 20 1972
आलोचना नवांक 25 1973
नई धारा– 1984–85

Escarpit Robert - Sociology of Literature, London, 1965
Laurenson, Diana and Swingwood, alan - Sociology of Literature, London, 1972
Hall, John- Sociology of Literature, London, 1979
Burns Tom and Elizabeth (ed) - Sociology of Literature and Drama, London, 1973
Goldmann, Lucien- The Hidden God, London, 1964
Goldmann, Lucien- Towards A Sociology of Novel, London, 1976
Swingwood, Alam- The Novel and Revolution, London, 1975
Zeraffa, Michol- Fictions: The Novel and Social Reality, London, 1976
Lowenthal, Leo- Literature and the image of man, Buslon, 1975
Williams, Raymond- The Long Revolution, London, 1961
Williams, Raymond- Writing in Society, London, 1984
Wolff, Janet- The Social Production of Art, London, 1981
Ward, J.P.- Poetry and Sociological Idea, London, 1981
Symonds, J.- Bloody Murder, London, 1974
Critical Inquiry – Spring 1988
Cultural Critique, Winter 1987-88

Poetics, Vol. 12, No. 4-5, 1983

Poetics, Vol. 14, No. 1-2, 1983
TELOS No. 45, Fall 1980

पाठ्यक्रम संख्याः PHD_HLRPE03 पाठ्यक्रम : रीसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स/शोध एवं प्रकाशन नैतिकता
क्रेडिट : 2 पूर्णांक : 50

इकाई–1 अनुसंधान : दर्शन और नैतिकता

दर्शन का परिचय : परिभाषा, प्रकृति और क्षेत्र, अवधारणा, शाखाएं
नैतिकताः परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक न्याय की प्रकृति एवं प्रतिक्रियाएं

इकाई–2 वैज्ञानिक आचरण

विज्ञान और अनुसंधान के संबंध में नैतिकता, बौद्धिक ईमानदारी और अनुसंधान अखंडता, वैज्ञानिक कदाचारः मिथ्याचार, निर्माण एवं साहित्यिक चोरी, निर्रथक प्रकाशनः डुप्लीकेट एवं अतिव्यापी प्रकाशन, सलामी स्लाइसिंग, चयनात्मक रिपोर्टिंग एवं आंकड़ा का गलत बयानी

इकाई–3 प्रकाशन नैतिकता

प्रकाशन नैतिकता : परिभाषा, परिचय और महत्त्व, सर्वोत्तम अभ्यास/मानक सेटिंग पहल और दिशा– निर्देशः काप, वेम आदि, व्यक्तिगत अभिरूचि का द्वंद्व, प्रकाशन दुराचारः परिभाषा, अवधारणा, समस्याएं –अनैतिक व्यवहार का नेतृत्व एवं विपरीत, प्रकाशन नैतिकता, लेखकत्व और योगदान का उल्लंघन, प्रकाशन दुराचार, शिकायत और अपील की पहचान, लूटपाट करने वाला प्रकाशक और पत्रिकाएं

इकाई –4 ओपेन एक्सेस पब्लिशिंग

ओपेन एक्सेस प्रकाशन और पहल, शेरपा/रोमेओ ऑनलाइन रिसोर्स द्वारा प्रकाशक, कॉपीराइट और स्वयं संग्रह नीति की जांच, एसपीपीयू द्वारा निर्मित लूटपाट करने वाले प्रकाशकों की पहचान करने वाला सॉफ्टवेयर टूल्स, पत्रिका खोजक/ पत्रिका सूझावक टूल्स : जाने, एल्सेवियर जर्नल खोजक, स्प्रींगर जर्नल सुझावक

इकाई–5 प्रकाशन दुराचार एवं डाटाबेस अनुसंधान मैट्रिक्स

सामूहिक चर्चा– विषय विशेष नैतिक समस्याएं, एफएफपी, लेखकत्व, व्यक्तिगत रूचि का द्वंद्व, शिकायत और अपील : भारत और भारत से बाहर की धोखाधड़ी। साहित्यिक चोरी संबंधी साफ्टवेयर टूल्सः टरनिटिन, उरकुंड, और अन्य सॉफ्टवेयर टूल्स, अनुक्रमण (इंडेक्सिंग) डाटाबेस, उद्धरण (साइटेशन) डाटाबेस, पत्रिकाओं का प्रभाव कारक तत्त्व– एसएनआईपी, एसजेआर, आईपीपी, साइट स्कोर, एच–इंडेक्स, जी–इंडेक्स, आई10 इंडेक्स, अल्टमैट्रिक्स

संदर्भग्रंथः

Bird, A. (2006). *Philosophy of Science*. Routledge.
MacIntyre, Alasdair (1967) *A Short History of Ethics*. London.
P. Chaddah, (2018) Ethics in Competitive Research: Do not get scooped; do not get plagiarized, ISBN:978-9387480865
National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute of Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research: Third Edition*. National Academies Press.
Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences*, 1–10. Retrieved from https://www.niehs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm
Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. Nature, 489(7415), 179–179. https://doi.org/10.1038/489179a
Indian National Science Academy (INSA), Ethics in Science Education, Research and Governance(2019), ISBN:978-81-939482-1-7. http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf